

धर्म
संस्कार
सेवा
समर्पण
राष्ट्र

॥ सनातन मूल्य
शशक्त समाज
समृद्ध भारत ॥



सनातन सेवा संघ

॥ सेवा से समृद्धि, संस्कार से शशक्त, सनातन से सुरक्षित भारत ॥

"सनातन चिन्हों का अपमान
कभी नहीं, कहीं नहीं"

हमारी
परंपरा

हमारी
पहचान

हमारी
जिम्मेदारी



SCAN TO DOWNLOAD THE
SANATAN SEVA APP.

धर्म की
जय हो,
अधर्म का
नाश हो



www.sanatansevasangh.com



Regd. Off. E-45, Naraina Vihar, New Delhi - 110028



8588806078

सनातन सेवा संघ "ट्रस्ट"

॥ संतों का मार्गदर्शन, सनातन की सेवा — यही सनातन सेवा संघ का ध्येय ॥

ब्रह्मलीन प. पू. महंत श्री ताड़केश्वर गिरी जी महाराज एवं ब्रह्मलीन प. पू. महामंडलेश्वर श्री स्वामी राघवानन्द जी महाराज के विरक्त जीवन, समाज-करुणा और सनातन मर्यादा के उच्च आदर्शों से प्रेरित होकर पावन 'गोपाष्टमी' के शुभ दिन सनातन सेवा संघ का प्राकट्य हुआ।

चूंकि यह संघ पूर्णतः संत-कृपा पर आधारित है, इसलिए इसकी सर्वोच्च संस्था के रूप में "सनातन संत संरक्षक मंडल" का गठन किया गया, ताकि संगठन सदैव पूज्य संतों के निर्देशन में कार्य करे।

राष्ट्रीय संत संपर्क प्रमुख महंत मंगलदास उदासीन जी महाराज एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री ललित मित्तल जी के भगीरथ प्रयासों से संघ को देश के परम पूज्य संतों—गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद जी, जगद्गुरु त्रिदंडी संन्यासी भक्ति वेदांत महायोगी जी, महामंडलेश्वर नवल किशोर दास रामायणी जी, डॉ. शिवचंद्र दास जी एवं चित्रकूट धाम से डॉ. रामशरण जी महाराज का 'सनातन संत संरक्षक' के रूप में निरंतर दिव्य आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

राष्ट्रीय संत संरक्षक मंडल



प्रेरणाश्रोत
ब्रह्मलीन परम पूज्य महामंडलेश्वर
श्री स्वामी राघवानन्द जी महाराज
पीठाधीश्वर: श्री गुरु राम राय उदासीन
आश्रम, दिल्ली



गीता मनीषी स्वामी
श्री ज्ञानानंद जी महाराज



आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी
श्री बालकानंद गिरि जी महाराज



प्रेरणाश्रोत : ब्रह्मलीन प. पू. महंत श्री
ताड़केश्वर गिरी जी महाराज
पीठाधीश्वर: प्राचीन संन्यास आश्रम शिव
हनुमान मंदिर, राम कृष्ण आश्रम मार्ग, गोल
मार्केट दिल्ली



श्रीमन् जगतगुरु श्री श्री 1008
त्रिदंडी संन्यासी भक्ति वेदांत
महायोगी जी महाराज



महामंडलेश्वर स्वामी
महंत श्री नवल किशोर दास
महाराज रामायणी



डॉ शिवचंद्र दास जी
महाराज
परमाध्यक्ष स्वामी रामतीर्थ मिशन



परम् श्रद्धेय डॉ. रामशरण जी
महाराज
(चित्रकूट धाम)

सनातनः शाश्वतो धर्मः, सत्यं तत्र प्रतिष्ठितम्।

धर्मो हि परमो लोके, सेवा परमो धर्मः॥

॥ परोपकारः पुण्याय, सर्वभूतहिते रतः।

॥ सनातनस्य पन्थानः — सेवा, संस्कृतिः, संरक्षणम्॥

सनातन धर्म शाश्वत (सदा रहने वाला) है और इसकी प्रतिष्ठा सत्य पर आधारित है।

संसार में धर्म ही परम श्रेष्ठ है और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

परोपकार पुण्य के लिए है और सभी जीवों के हित में निष्ठा/प्रेम होना चाहिए।

सनातन का मार्ग यही है — सेवा, संस्कृति और संरक्षण।

धर्म की जय हो

अधर्म का नाश हो



॥ श्री सुरभ्ये नमः ॥



॥ जय गौ माता जय गोपाल ॥

स्थापना दिवस: पावन पर्व गोपाष्टमी

सनातन संस्कृति में गौ माता का स्थान, महत्व और 'क्यों'?

सनातन धर्म में गौ माता को केवल एक पशु नहीं, बल्कि 'गावो विश्वस्य मातरः' (गाय विश्व की माता है) कहकर साक्षात देवत्व का रूप माना गया है।



33 कोटि देवताओं का वास: पुराणों के अनुसार गौ माता के पावन शरीर में 33 कोटि (प्रकार) के देवी-देवताओं का वास होता है। इनकी सेवा मात्र से समस्त ब्रह्मांड की पूजा का फल प्राप्त हो जाता है।

वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक आधार: गौ माता की सांसों से वातावरण शुद्ध होता है। उनके दूध, घी, दही, गोबर और गोमूत्र (पंचगव्य) में रोग-प्रतिरोधक और आध्यात्मिक शक्तियां समाहित हैं, जो हमारी रसोई और स्वास्थ्य दोनों को पवित्र रखती हैं।

संस्कार और समृद्धि की प्रतीक: जिस समाज या घर में गौवंश दुखी और भूखा रहता है, वहाँ से वैभव और संस्कार लुप्त हो जाते हैं। संतानों के उत्तम भविष्य के लिए गौ-सेवा अनिवार्य है।

इसी दूरदृष्टि के साथ, सनातन सेवा संघ अपना स्थापना दिवस भी गोपाष्टमी के पावन दिन ही मनाता है, जो गौ माता के प्रति हमारी अटूट निष्ठा को दर्शाता है।

स्वस्थ गौवंश अभियान: घायल एवं बीमार गौवंश की चिकित्सा व सेवा

आज सड़कों पर भटकता, प्लास्टिक खाता और दुर्घटनाओं का शिकार होता गौवंश हमारे सनातनी समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। यदि आज हम चुप रहे, तो हमारी आने वाली संतानें हमसे सवाल करेंगी। इस मर्म को समझते हुए एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है:

"श्री चंद्र उदासीन गौधाम सेवा ट्रस्ट" के माध्यम से सनातन सेवा संघ संपूर्ण दिल्ली-एनसीआर में 'स्वस्थ गौवंश अभियान' का संचालन कर रहा है।

• **सेवाश्रम का मुख्य उद्देश्य:**

- बेसहारा, बीमार, एक्सीडेंट में घायल और क्रूरता का शिकार हुए गौवंश को तत्काल रेस्क्यू करना।
- अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में उनका उचित इलाज, दवाइयां और शल्य चिकित्सा (Operation) उपलब्ध कराना।
- गौवंश के लिए उत्तम हरे चारे, शुद्ध जल और सुरक्षित आश्रय (Shed) की व्यवस्था करना।

गौ सेवाश्रम चिकित्सालय

"श्री चंद्र उदासीन गौधाम सेवा ट्रस्ट" के माध्यम से स्वस्थ गौवंश अभियान : घायल एवं बीमार गौवंश की चिकित्सा व सेवा , श्री हरिहर आश्रम प्राचीन शिव मंदिर 61/195, राजघाट पावर हाउस, दिल्ली -110002

सेवाश्रम संचालक : महन्त श्री मंगल दास उदासीन जी महाराज

प्रचार मंत्री दिल्ली संत महामंडल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व उप मंत्री श्री वैष्णव विरक्त मंडल दिल्ली एवं संस्थापक श्री चन्द्र उदासीन गौधाम सेवा ट्रस्ट, सेवाश्रम एवं संत मंडल संपर्क प्रमुख (सनातन सेवा संघ)

॥ ॐ नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।

॥ नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमोनमः॥

“जो गौएँ समस्त जगत के लिए पवित्रता, समृद्धि और मंगल की प्रतीक हैं, जो सुरभि की दिव्य संतति तथा ब्रह्मा की पुत्रियों के समान पूजनीय मानी गई हैं उन गौ माताओं को हम बारंबार श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।”



हमारा मुख्य संकल्प: "सनातन चिन्हों का अपमान कभी नहीं, कहीं नहीं"
देव-सम्मान एवं शास्त्रोक्त विसर्जन — हमारा प्राथमिक एवं प्राणप्रिय कार्य

सनातन सेवा संघ की शुरुआत जिस प्रथम सेवा कार्य से हुई, वही आज भी हमारे संघ का सबसे महत्वपूर्ण और प्राथमिक ध्येय है— 'खंडित एवं जीर्ण-शीर्ण देव-विग्रहों (मूर्तियों) तथा धार्मिक चित्रों का उचित सम्मान एवं शास्त्रोक्त विसर्जन'।

हमारे लिए मूर्तियाँ केवल पाषाण, मिट्टी या कागज नहीं, बल्कि साक्षात् ईश्वरीय चेतना और ऊर्जा का प्रतीक हैं। अक्सर अज्ञानता या विवशतावश लोग खंडित मूर्तियों एवं चित्रों को पेड़ों के नीचे, चौराहों पर या नदियों के किनारे लावारिस छोड़ देते हैं। इससे न केवल हमारी आस्था के केंद्रों का घोर अनादर होता है, बल्कि अनजाने में हुए इस अनादर से जीवन में अवांछित कष्ट और अनिष्ट भी उत्पन्न होते हैं।

अक्सर जब जीवन में कोई भयानक विपदा आती है, तो मनुष्य सोचता है कि "हे ईश्वर! हमने ऐसा कौन सा पाप किया जिसका यह फल भोगना पड़ रहा है?" सनातन सेवा संघ ने समाज की इसी पीड़ा को समझा और देव-सम्मान के इस महायज्ञ को अपने हाथों में लिया।

आपकी सुविधा हेतु हमारे प्रमुख संग्रह केंद्र (Collection Centers)

सनातन समाज की सुविधा के लिए सनातन सेवा संघ ने विभिन्न मंदिर समितियों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से स्थान-स्थान पर संग्रह केंद्र (Collection Centers) स्थापित किए हैं:

COLLECTION CENTER LIST

S.NO	ADDRESS	PIN CODE	CONTACT NUMBER	INCHARGE NAME
1	SHREE SANATAN DHARAM MANDIR D- BLOCK SARSWATI GARDEN		7303510665	RAJKUMAR KAPOOR
2	SHREE RAM MANDIR , MAYUR VIHAR PHASE - 1	110091	9968295238	Y.K SHARMA
3	ROHINI SECTOR - 13 , NAV SHAKTI SADAN	110085	9999511330	BHAGWAN SHARMA
4	SANATAN DHARAM MANDIR , RAJENDER NAGAR	110060	9811289486	ASHOK KUMAR
5	SHRI CHAND HARI HAR UDASIN ASHRAM , RAJGHAT POWER HOUSE	110002	9818591536	MANGALDAS MAHARAJ
6	UMESHWER MAHADEV MANDIR , RAJORI GARDEN	110027	9818085751	SHASTRI JI
7	SHIV MANDIR , TATAAR PUR	110027	9891500344	RITESH TANWAR
8	SANATAN DHARAM MANDIR , SHUBHASH NAGAR	110027	9899972707	RAJEEV BHEL
9	SANATAN DHARAM MANDIR , JANAKPURI	110058		
10	SANATAN DHARAM MANDIR , RAMESH NAGAR	110026	9899777755	SANJEEV GUPTA
11	AJMALKHA PARK , PARKING , KAROL BAGH	110005	9810766571	GOPAL KRISHAN JAIN
12	VISHWGIRI SHIV MANDIR , SHIVAJI ENCLAVE , NEAR MEHTA CHOWK	110027	9811092116	PRANIT BABBAR

अन्य सभी संग्रह केंद्रों की पूरी सूची के लिए देखें:
सनातन सेवा संघ एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित
सभी केंद्रों की अद्यतन सूची हमारी
आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आइए, सनातन संस्कृति के संरक्षण और
देव-प्रतिमाओं के सम्मान हेतु इस महाअभियान से जुड़ें!

www.sanatansevasangh.com

यदि कोई अपने क्षेत्र में कलेक्शन सेंटर खुलवाने या किसी भी प्रकार से सहयोग करने का इच्छुक हो
तो वह इन नंबरों पर संपर्क कर सकता है : सनातन सेवा संघ ट्रस्ट : 9818840071, 8588806078



॥ सनातन रक्षा एवं जनजागरण महाअभियान ॥

सनातन की अवमानना पर विषय-आधारित सामूहिक प्रतिरोध का आह्वान

सनातन सेवा संघ (राष्ट्रीय समिति) देश भर में हिंदुत्व और सनातन संस्कृति के संवर्धन में दिन-रात समर्पित समस्त हिंदू संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, मंदिर समितियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को "एक समाज" की भावना के साथ एक गंभीर विषयों पर एकजुट करना एवं एकजुटता के माध्यम से सामूहिक आवाज़ उठाकर होने वाली अवमाननाओं की परिणीति को रोकने के लिए लगातार संपर्क अभियान चलाना।

हम सभी संस्थाएं अपनी-अपनी विधाओं और माध्यमों से धर्म की सेवा में समर्पित हैं और हमारा ध्येय एक ही है— सनातन की रक्षा और संवर्धन। किंतु, आज जानबूझकर हमारे आराध्यों, धर्मग्रंथों एवं संत-महात्माओं की अवमानना का कुचक्र बढ़ता जा रहा है। इस अवमानना को रोकने के लिए अब 'विषय-आधारित सामूहिक प्रतिरोध' और निरंतर जनजागरण की अत्यंत आवश्यकता है।

चिंताजनक विषय एवं उनके संगठनात्मक समाधान

देव-प्रतिमाओं के अनादर (पेड़ों के नीचे या कचरे में विसर्जन) के प्राथमिक विषय के अतिरिक्त, सनातन सेवा संघ अन्य प्रमुख चुनौतियों की ओर ध्यानाकर्षण कर उनके स्थाई समाधान हेतु प्रतिबद्ध है:

व्यावसायिक मुद्रण में धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग:

पवित्र त्योहारों एवं आयोजनों के समय न्यूज़पेपर, निमंत्रण पत्रों, पैम्फलेटों, प्रसाद के पैकेटों तथा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स पर भगवान के चित्र छापना, जो प्रयोग के पश्चात कचरे और नालियों में जाते हैं।

मनोरंजन व मीडिया के नाम पर उपहास:

फ़िल्मों, नाटकों, थिएटर शोज़, स्टैंड-अप कॉमेडी तथा सोशल मीडिया पर 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर हमारे देवी-देवताओं, संतों और परंपराओं पर अभद्र टिप्पणियां करना व उनका उपहास उड़ाना।

सनातन सेवा संघ का कार्य-मॉडल:

संघ इन सभी विषयों पर शोध एवं निगरानी कर समस्त सनातनी संस्थाओं को एक संपर्क सूत्र में जोड़ता है, उन पर विचार-विमर्श करता है और समाधान हेतु सामूहिक व नियोजित रणनीति तैयार करता है।

हमारा मूल विचार: पृथक संस्थाएं — एक सनातनी चेतना

"किसी एक मंच या स्थान पर एकत्र होने की आवश्यकता नहीं, बल्कि विषय पर सामूहिक शक्ति की ज़रूरत है।"

सनातन सेवा संघ का स्पष्ट एवं दृढ़ मानना है कि:

1. **स्वतंत्रता एवं सम्मान:** प्रत्येक संस्था अपनी स्वतंत्रता और पहचान बनाए रखते हुए अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करती रहे।
2. **एक स्वर में प्रतिरोध:** जब भी सनातन धर्म या आराध्यों के सम्मान पर प्रहार हो, तब सभी संस्थाएं अपनी-अपनी संस्थागत शक्ति के साथ अपनी ही जगह से एक साथ, एक ही समय पर कड़ा विरोध दर्ज कराएं।
3. **सामूहिक शक्ति का संवर्धन:** अलग-अलग माध्यमों से कार्य करते हुए भी एक ही 'सनातनी समाज' की भावना के साथ कार्य करना और सनातन की सामूहिक शक्ति को बढ़ाने हेतु नित नए प्रयास करना ही हमारा लक्ष्य है।

✳ सनातन सेवा संघ का विनम्र निवेदन:

"आइए, अपने-अपने कार्यक्षेत्र में रहते हुए, अपनी संस्थागत शक्ति के साथ धर्मरक्षा के इस महायज्ञ में एक मजबूत और अखंड ढाल बनकर खड़े हों।"

॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

जय श्री राम! जय सनातन धर्म! 🚩

वसुधैव
कुटुम्बकम्

"सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः ॥"





॥ 108 सनातन सेवाओं की 'सेवामाला' ॥

दिव्य उद्देश्य : शाश्वत सनातन परंपरा में 108 मनकों की पावन माला मनोकामना पूर्ति, ईश्वरीय ध्यान और संकल्प का प्रतीक है। इसी पावन दर्शन को आधार मानकर, सनातन सेवा संघ का परम उद्देश्य समाज कल्याण हेतु "सेवामाला के मनके" के रूप में 108 सनातन सेवाओं की एक अखंड माला तैयार करना है।

इसी कर्मयोग की दिशा में संघ के संकल्प व उद्देश्य पूर्ति हेतु कार्यरत कुछ प्रमुख 'सेवा मनके' (प्रकल्प एवं अभियान) इस प्रकार हैं:

- 🚩 **हमारे प्रमुख 'सेवा मनके' (प्रकल्प एवं अभियान)**
- 🚩 **संस्कार माला:** जीवन संस्कार, चरित्र निर्माण, दैनिक दिनचर्या एवं व्यवहार दर्शन से संबंधित कार्य; जिसका उद्देश्य व्यक्ति के जीवन में नैतिकता, अनुशासन और आत्मिक विकास करना है।
- 🚩 **सांस्कृतिक माला:** अपनी महान संस्कृति और परंपराओं के अनुसार तीज-त्योहारों के वास्तविक महत्व का प्रचार-प्रसार करना तथा समाज में सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने हेतु भव्य कार्यक्रमों का आयोजन।
- 🚩 **शिक्षा माला:** बाल्यकाल से लेकर उच्च शिक्षा तक सनातनी मूल्यों से युक्त शिक्षा की व्यवस्था करना। साथ ही, मेधावी व आर्थिक रूप से दुर्बल विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व साधन उपलब्ध कराकर समान अवसर प्रदान करना।
- 🚩 **धर्म एकता:** हमारा दृढ़ विश्वास है कि सामाजिक समरसता और जातिगत भेदभाव को मिटाए बिना धर्म एकता संभव नहीं है। अतः सभी सनातनी बंधुओं के बीच परस्पर भ्रातृभाव और मेलजोल को बढ़ावा देना हमारा मुख्य लक्ष्य है।
- 🚩 **संत मिलन:** पूजनीय संत, पुजारी, महंत, आचार्य, पीठाधीश और कथा-भागवताचार्यों के साथ निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित कर उनका दिव्य मार्गदर्शन प्राप्त करना।
- 🚩 **सेवा शक्ति केंद्र:** हमारे पवित्र धार्मिक स्थलों का संवर्धन कर उन्हें केवल पूजा-अर्चना तक सीमित न रखकर सत्संग, अध्यात्म, संस्कृति और लोक-सेवा के जीवंत व सशक्त केंद्रों के रूप में विकसित करना।
- 🚩 **धर्म आश्रय:** किसी भी संकट, आपदा या आवश्यकता के समय अपने सनातनी भाई-बहनों को आर्थिक, सामाजिक, जीवनयापन, व्यवसाय एवं सेवा में त्वरित संबल प्रदान करना।
- 🚩 **स्वास्थ्य माला:** चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर सनातनी बंधुओं को त्वरित उपचार, सही मार्गदर्शन, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और औषधियों का सहयोग सुनिश्चित करना।
- 🚩 **संपर्क माला:** यह वह अदृश्य और अटूट धागा है जो सेवामाला के सभी मोतियों को एक साथ पिरोकर रखता है ताकि वे बिखरें नहीं। इसके माध्यम से समाज हित में समर्पित श्रेष्ठ जनों को एक सूत्र में जोड़ा जा रहा है।

'सनातन शुद्धता मिशन' (विशेष अभियान)

उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और धर्म की रक्षा हेतु हमारा 'सनातन शुद्धता मिशन' निरंतर कार्यरत है।

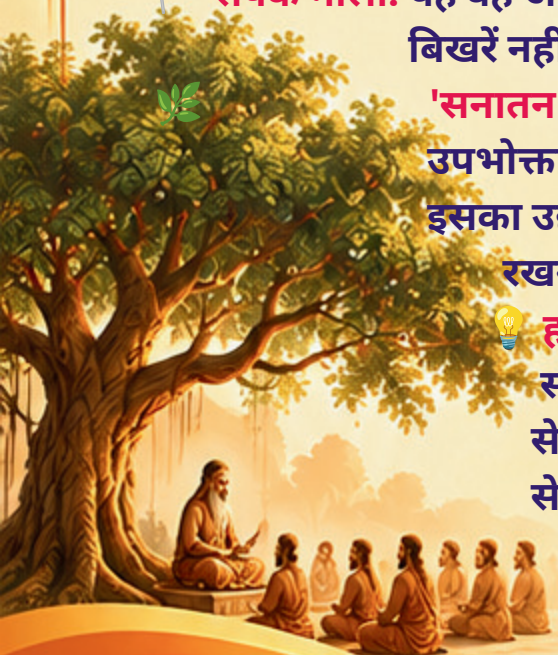
इसका उद्देश्य हमारी रसोई तक पहुँचने वाले अन्न को सात्विक, पवित्र और दूषित मानसिकता से मुक्त रखने के लिए एक स्वतंत्र व शुद्ध आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) का निर्माण करना है।

💡 हमारा संकल्प:

सनातन सेवा संघ की यह "सनातन सेवा" केवल कागजी पत्रों का संग्रह नहीं, बल्कि हमारे इन सेवा मनकों, विचारों और जमीनी प्रयासों का जीवंत दर्पण है। इसके माध्यम से हम प्रत्येक घर तक सेवा, संस्कार और संगठन का संदेश पहुँचाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

॥ सेवा से समृद्धि • संस्कार से सशक्त • सनातन से सुरक्षित भारत ॥

जय श्री राम! जय सनातन धर्म! 🚩





सनातन एकता बोर्ड : अखंड सनातनी चेतना और भावी पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार

आज हमारे सनातनी समाज के सम्मुख सबसे बड़ी चुनौती 'सामाजिक बिखराव और एकाकीपन' की है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब समाज खंडित हुआ है, तब-तब हमारी संस्कृति और परंपराओं पर आघात हुए हैं।

यदि आज हम समय रहते जागृत नहीं हुए और एक सूत्र में नहीं बंधे, तो हमारी आने वाली संतानें हमसे प्रश्न करेंगी कि "जब सनातन पर संकट था, तब आप क्या कर रहे थे?" अपनी संतानों के सुरक्षित भविष्य, उत्तम संस्कारों की पुनर्स्थापना और संपूर्ण सनातनी समाज की अखंड एकता के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर उठकर एक वैचारिक मंच पर आना ही होगा।

'सनातन एकता बोर्ड' का प्रस्तावित स्वरूप एवं प्रयास : जब तक भारत सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से 'संवैधानिक सनातन बोर्ड' का गठन नहीं हो जाता, तब तक संपूर्ण सनातनी समाज को जोड़ने हेतु सभी हिंदू संस्थाओं, धार्मिक संगठनों और पूज्य संतों के परस्पर सहयोग से निजी स्तर पर 'सनातन एकता बोर्ड' के गठन का एक साझा प्रयास किया जा रहा है।

मूल सिद्धांत: "यह प्रयास किसी एक व्यक्ति या किसी एक संस्था का उपक्रम नहीं है, बल्कि समस्त सनातनी शक्तियों को एक सूत्र में पिरोने का एक सामूहिक संकल्प है।"

पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक संगठनात्मक संरचना (प्रारंभिक योजना) : बोर्ड में एकाधिकार को समाप्त करने तथा सर्वसमावेशी संतुलन बनाए रखने हेतु निम्नलिखित व्यवस्था तय की जा रही है:

- **एक संस्था – एक प्रतिनिधित्व (One Organization, One Member):**

किसी एक व्यक्ति या संस्था का आधिपत्य रोकने के लिए देश भर की विभिन्न पंजीकृत सनातनी संस्थाओं से प्रति संस्था केवल एक प्रतिनिधि को बोर्ड के आधिकारिक सदस्य के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।

- **स्वतंत्र सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार:**

संस्थाओं के इन्हीं मनोनीत सदस्यों की संस्तुति से बोर्ड के मुख्य पदाधिकारियों, पूज्य संतों, आचार्यों एवं समाज की विशिष्ट हस्तियों को 'स्वतंत्र सदस्य' (Independent Members) के रूप में मान्यता व सहभागिता दी जाएगी।

- **सर्वोच्च संत मार्गदर्शक मंडल:**

सिद्ध पीठों के पूज्य संत, पीठाधीश व भागवताचार्य, आचार्य, महामंडलेश्वर इत्यादि धर्म प्रतिभूतियां जो बोर्ड को निरंतर आध्यात्मिक दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

प्रमुख लक्ष्य एवं कार्य-योजना :

- **आधिकारिक 'सनातन बोर्ड' की प्राप्ति हेतु प्रयास:** विभिन्न संस्थाओं व पूज्य संतों के सामूहिक प्रयास एवं जन-दबाव के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकारों से 'आधिकारिक एवं संवैधानिक सनातन बोर्ड' के रूप में स्वीकृति दिलाने हेतु निरंतर प्रयास करना, ताकि हमारे मंदिरों, मठों और धार्मिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण हो सके।
- **सांस्कृतिक व सामाजिक सुरक्षा कवच:** प्रत्येक सनातनी परिवार को सामाजिक, धार्मिक और नैतिक संकट के समय एक सुदृढ़ संबल और सुरक्षा ढांचा प्रदान करना।
- **जातिगत विभाजन का अंत:** समस्त सनातनी बंधुओं को वर्ण और जाति के भेद से ऊपर उठाकर "एक सनातनी, एक परिवार" की भावना से ओत-प्रोत करना।

 **सनातन सेवा संघ का आह्वान:**

"आइए, अपनी भावी पीढ़ियों को एक संगठित, सुरक्षित और स्वाभिमानी सनातन भारत सौंपने के लिए 'सनातन एकता बोर्ड' की इस पावन यात्रा से जुड़ें।"

सह चरामः। मिलित्वा वदामः। एकचित्ताः धर्म रक्षामः॥

“साथ चलें। मिलकर बोलें। एकचित्त होकर धर्म की रक्षा करें॥”



जय श्री राम! जय सनातन धर्म!



धर्मो रक्षति रक्षितः - संपर्क, सहयोग एवं समर्पण
सनातन संस्कृति के संरक्षण, देव-प्रतिमाओं के सम्मान, 108 सेवाओं की 'सेवामाला' एवं अन्य सनातनी पुण्य कार्यों हेतु
इस पावन महायज्ञ में आपकी सहभागिता अनिवार्य है।

🚩 **सेवा एवं धर्मार्थ सहयोग (दान आहुति)**
धर्मकार्यों एवं समाज सेवा के प्रकल्पों को सुचारू रूप से चलाने हेतु आप अपनी स्वेच्छा से
'सनातन सहयोग' रूपी दान आहुति अर्पित कर सकते हैं।

ऑनलाइन सहयोग हेतु:

हमारी आधिकारिक वेबसाइट www.sanatansevasangh.com पर जाएँ
या सीधे बैंक खाते में सहयोग राशि हस्तांतरित करें:

बैंक का नाम (Bank Name): बैंक ऑफ महाराष्ट्र (Bank of Maharashtra)

खाता धारक का नाम (Account Name): सनातन सेवा संघ ट्रस्ट (Sanatan Seva Sangh Trust)

खाता संख्या (Account No.): 60578780472

आई.एफ.एस.सी. कोड (IFSC Code): MAHB0002475

पैन संख्या (PAN No.): ABOTS3586L

(नोट: बैंक में जमा की गई सहयोग राशि की रसीद एवं विवरण प्राप्त करने हेतु संस्थान के संपर्क नंबर पर सूचित करें।)



SCAN FOR WEBSITE.

📍 **संस्थागत पता एवं संपर्क माध्यम**
सनातन सेवा संघ ट्रस्ट (रजि.)

पंजीकृत कार्यालय:

E-45, मेन रोड, गोस्वामी गिरधारी लाल मार्ग,
नारायणा विहार, नई दिल्ली - 110028

✉ **ई-मेल (Email):** sanatansangh@zohomail.in

🌐 **आधिकारिक वेबसाइट (Website):** www.sanatansevasangh.com



SCAN FOR APP.

📞 **हेल्पलाइन / संपर्क सूत्र (Contact):** 9818840071, 8588806078, 9971650736

🌐 **सोशल मीडिया (Social Media):** @sanatansevasangh (Facebook / Instagram / X / YouTube)

🚩 **हमारा संकल्प:**

"सेवा से समृद्धि • संस्कार से सशक्त • सनातन से सुरक्षित भारत"

॥ सेवा परमो धर्मः ॥

जय श्री राम! जय गोमाता! जय सनातन धर्म! 🚩



For Creative Work & Printing Inquiry
Mobile : +91 7042276458 (Also on Whatsapp)
Email : royaltheimage@gmail.com
Web : www.royalimagecreation.in

| Media Sponsors |

For Properties & Investment Inquiry
Mobile : +91 9818106665 (Delhi-NCR)
Web : cdrbharat.com

